भोपाल फ्रंट पेज

सूर्यास्त (सोमवार) 6.58 बजे | सूर्योदय (मंगलवार) 5.37 बजे

दैनिक भास्कर, भोपाल, सोमवार, 22 मई, 2023

इंजीनियरिंग की खामी

सिक्सलेन ब्रिज पर 120 डिग्री का कर्व होने और वाहनों की स्पीड ज्यादा होने से हर महीने 4-5 एक्सीडेंट

गांधी नगर ब्रिज पर फिर हादसा, 40 फीट नीचे गिरे बाइक सवार की मौत, एक्सपर्ट बोले- 6 लेन की जगह 4 लेन करने से ही रुकेंगे हादसे

एयरपोर्ट रोड पर गांधी नगर ओवरब्रिज में इंजीनियरिंग की खामी ने एक और जान ले ली। बाइक से जा रहे दो युवक ब्रिज की टर्निंग पर संतुलन नहीं बना सके और 40 फीट नीचे मेन रोड पर आ गिरे। भास्कर ने एक्सपर्ट से बात की तो सामने आया कि ब्रिज पर 120 डिग्री का कर्व और टर्निंग की कम रेडियस हादसों की वजह बन रही है।

क्राइम रिपोर्टर | भोपाल

गांधी नगर ओवरब्रिज की टर्निंग की चार फीट ऊंची साइड वॉल से रविवार सुबह 6:10 बजे तेज रफ्तार बाइक टकरा गई। रफ्तार इतनी तेज थी कि दोनों युवक उछलकर ब्रिज से 40 फीट नीचे जा गिरे। एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है।

युवक स्पोर्ट्स बाइक आर-1 पर सवार थे। हादसा उस समय हुआ जब दोनों दोस्त सुबह बायपास रोड स्थित एक ढाबे से चाय पीकर घर लौट रहे थे। गांधी नगर पुलिस के मुताबिक हादसे में वसुंधरा कॉलोनी, टीला जमालपुरा निवासी 20 वर्षीय हिफजुल खान की मौत हो गई। न्यू कबाड़खाना निवासी 24 वर्षीय सलीम खान गंभीर रूप से घायल है।

तीन साल पहले भी ऐसा हादसा

इसी स्पॉट से 2020 में भी एक युवक की बाइक समेत नीचे गिरकर मौत हो गई थी। पुलिस का कहना है कि इस टर्निंग पर हर महीने 4 से 5 एक्सीडेंट होते हैं।

हादसों का ब्रिज

ओवरब्रिज की तस्वीर से समझिए कहां से कैसे गिरे बाइक सवार

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई घटना, राहगीर गुजरते रहे, पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया

घटना का वीडियो भी सामने आया है। दोनों युवक ब्रिज से गिरते हुए दिखाई दे रहे हैं। रास्ते से गुजर रहे लोग उन्हें देखकर निकलते गए। एक बाइक सवार रुका, लेकिन युवकों के पास नहीं पहुंचा। डेढ़ मिनट बाद एक ऑटो चालक ने पुलिस को फोन लगाया। कुछ देर बाद पुलिस पहुंची और उन्हें अस्पताल पहुंचाया।

भास्कर तत्काल हादसे के कारणों की पड़ताल

टर्निंग पर लेन की रेडियस में 10 मीटर का अंतर, यहां 40 से ज्यादा स्पीड खतरनाक

भास्कर एक्सपर्ट
डॉ. मयंक दुबे,
ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्ट विभाग, एसपीए

एयरपोर्ट रोड पर आसाराम तिराहा स्थित जिस ब्रिज पर एक्सीडेंट हुआ है, उसकी ज्योमेट्री ही गड़बड़ है। सिक्सलेन ब्रिज पर 120 डिग्री का कर्व है और पहली और तीसरी लेन के बीच रेडियस में 10 मीटर का अंतर है। यहां 40 से ज्यादा की स्पीड खतरनाक है। यहां ट्रैफिक कम होने से वाहन चालक तेज गति से गुजरते हैं। रोज ही छोटे-छोटे एक्सीडेंट होते रहते हैं। ब्रिज को फोर लेन करके ही हादसे रोके जा सकते हैं। रविवार सुबह जो हादसा हुआ है, ऐसा हादसा वहां पहले भी एक बार ऐसा हादसा हो चुका है। 120 डिग्री के कर्व पर सिक्सलेन रोड की रेडियस पर स्पीड कम होना ही चाहिए। यह ज्योमेट्री 40 की स्पीड के हिसाब से डिजाइन है। लेकिन भोपाल में एयरपोर्ट रोड पर ट्रैफिक कम होने से वाहन चालक की स्पीड 100 तक भी होती है। रोड इंजीनियरिंग की बात करें तो ब्रिज पर टर्निंग पर अंदर और बाहर की रेडियस में काफी अंतर है। अगर अंदर की दो लेन को बंद कर देंगे तो रेडियस 7 मीटर बढ़ जाएगी। इससे स्पीड 15 से 20 किमी प्रति घंटे तक बढ़ सकती है। यानी यहां 55-60 की स्पीड में गाड़ी आसानी से चलाई जा सकती है। यह ऐसा अंतरिम उपाय है जिसके लिए ब्रिज पर कोई तोड़फोड़ नहीं होगी। वैसे पूरी एयरपोर्ट रोड पर और भी जगहों पर सुधार की जरूरत है। इसके अलावा एक्सीडेंट रोकने के लिए यहां स्पीड कंट्रोल को बहुत सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। आजकल सड़क पर ऐसे एलईडी स्पीड डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाते हैं जो चालक को स्पीड कम करने के लिए जागरूक करते हैं। चंडीगढ़ जैसे शहरों में संवेदनशील स्थानों पर ऐसे स्पीड डिस्प्ले बोर्ड लगाए गए हैं। इस प्रयोग को भोपाल में भी अपनाया जा सकता है।